PAU-16070601054100 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. V) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

October / November – 2018

Hindi : Core-17

(हिन्दी नाट्य साहित्य)

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ भीष्म साहनी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ 'कबिरा खड़ा बजार में' नाटक की प्रासंगिकता पर विस्तृत प्रकाश डालिए । १५

२ नाटक के भेद बताइए । १५

अथवा

२ नाटक के क्रमिक–विकास की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पण्डित भया न कोय ।
अढ़ाई अक्षर प्रेम का, पढ़े सो पण्डित होय ॥''

(२) ''कबीर : मेरी फकीरी के लिए घर–बाहर छोड़ने की जरूरत नहीं है । मेरी नजर में हर काम इबादत है ।''

(३) ''दिन भर रोजा रहत है, रात हनत है गाय,
यह तो खून वह बन्दगी, कैसी खुसी खुदाय ।''

(४) ''यह काशी है बेटा, हिन्दुओं का तीरथ है और यहाँ का कोतवाल मुसलमान है । सभी कहते हैं बड़ा बेरहम आदमी है, जिन्दा दफना देता है । तू हर किसी से दुश्मनी मोल लेता फिरता है, बेटा, मेरा दिल बहुत डरता है ।''

(५) ''कायस्थ : तुमने दोनों को नाराज कर रखा है । इससे बड़ी नादानी की बात क्या होगी ? समझदारी से काम लेते, एक वक्त में एक का विरोध करते, तो कम–से–कम दूसरा तो तुम्हारे साथ होता ।''

४ 'कबिरा खड़ा बजार में' नाटक का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १५

अथवा

४ कबीर का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

५ 'कबिरा खड़ा बजार में' नाटक की भाषाशैली पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

५ 'कबिरा खड़ा बजार में' कबीर के क्रांतिकारी विचार स्पष्ट कीजिए । १०